

श्री महाकाल लोक की तरज पर जामसांवली हनुमान मंदिर में होगा 'श्री हनुमान लोक' का नरिमाण

चर्चा में क्यों?

24 अगस्त, 2023 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिविराज सहि चौहान ने प्रदेश के छदिवाड़ा ज़िले के प्रसदिध हनुमान मंदिर जामसांवली में श्री हनुमान लोक का वधि-विधान से भूमिपूजन कर यह घोषणा की की श्री महाकाल लोक की तरज पर जामसांवली हनुमान मंदिर में 'श्री हनुमान लोक' का नरिमाण कया जाएगा ।

प्रमुख बदि

- मुख्यमंत्री ने बताया की प्रथम चरण में लगभग 26.50 एकड़ क्षेत्र में 35 करोड़ रुपए से अधिक लागत से 'श्री हनुमान लोक' के नरिमाण का कार्य आरंभ होगा ।
- 'श्री हनुमान लोक' के नरिमाण के प्रथम चरण में मराठवाड़ा वास्तु-कला से प्रेरति भव्य प्रवेश द्वार से भगवान के वरिाट स्वरूप की छवि दिखेगी । मुख्य प्रवेश द्वार से प्रथम प्रांगण तक 500 मीटर लंबा चरिजीवी पथ बनेगा ।
- पथ और प्रथम प्रांगण के 90 हजार वर्गफुट क्षेत्र में कलाकृतियों से अंजनी पुत्र हनुमान जी के बाल स्वरूप का मनोहारी चरिण होगा । लगभग 62 हजार वर्गफुट क्षेत्र में मूरतियों एवं कलाकृतियों के माध्यम से भक्त - शरिमाण हनुमान जी के भक्त स्वरूप का चरिण होगा ।
- रामलीला एवं अन्य धारमकि आयोजनों के लयि जलाशय के तट पर 12 हजार वर्गफुट क्षेत्र में मुक्ताकाशी मंच बनेगा, संजीवनी बूटी लाने वाले भगवान के संकटमोचक स्वरूप से प्रेरणा लेकर परसिर में आयुर्वेदकि चकित्सालय बनाया जाएगा ।
- 'श्री हनुमान लोक' के समीप बहने वाली नदी तट के सौदरयीकरण एवं लैंडस्केपिंग के माध्यम से शरदधालुओं के बैठने आदि की व्यवस्था बनाई जाएगी ।
- कम्युनिटी सेंटर, जन सुविधाएँ, टरसट ऑफिस, प्रशासनकि कार्यालय एवं कंट्रोल रूम आदि 37 हजार वर्गफुट में नरिमति कयि जाएंगे । प्रसाद-पूजन सामग्री और भोजन आदि की व्यवस्था के लयि 120 दुकान एवं फूड कोर्ट बनेंगे ।
- लगभग 400 चार पहिया एवं 400 दो पहिया वाहन क्षमता की डेढ़ लाख वर्गफुट क्षेत्र में पार्कगि वकिसति की जाएगी ।
- 'श्री हनुमान लोक' के नरिमाण के द्वितीय चरण में रामटेकरी परवत की परकिरमा के लयि संजीवनी पथ का वकिस, अषटसदिधि केंद्र एवं संस्कृत वदियालय, योगशाला प्रवचन हॉल एवं ओपन एयर थियटर, जाम नदी पर घाट नरिमाण, वाटर फ्रंट पाथ वे एवं सदिगि एरया, भक्त नविस, भोजनालय तथा गौ-शाला का नरिमाण होगा ।



//

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/-shri-hanuman-lok-to-be-constructed-on-the-lines-of-shri-mahakal-lok>

